Roll No. ....

E–143

M. A. (First Semester)
EXAMINATION, Dec.-Jan., 2020-21

HINDI

Paper Third

(छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 80*

नोट : निर्देशानुसार सभी खण्डों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–अ प्रत्येक 1

(Section—A)

वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. 'वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान।' किसने कहा है ?
   (अ) जयशंकर प्रसाद
   (ब) सुमित्रानंदन पंत
   (स) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
   (द) महादेवी वर्मा

2. “मुझे फूल मत मारो” किस नायिका का कथन है ?

   (अ) उर्मिला का

   (ब) सरोज का

   (स) श्रद्धा का

   (द) सीता का

3. ‘साकेत’ महाकाव्य में सर्गों की संख्या कितनी है ?

   (अ) 10

   (ब) 11

   (स) 15

   (द) 12

4. निम्न में से कौन-सी काव्यकृति प्रसाद जी की नहीं है ?

   (अ) कामायनी

   (ब) झरना

   (स) कर-बाल्य

   (द) भारत-भारती

5. ‘कामायनी’ के तीन प्रमुख पात्रों में, इनमें से कौन सम्मिलित नहीं है ?

   (अ) भरत

   (ब) मनु

   (स) श्रद्धा

   (द) इड़ा

6. 'कामायनी' में कितने सर्ग हैं ?

(अ) 10

(ब) 15

(स) 11

(द) 12

7. इनमें से कौन-सी कृति निराला की नहीं है ?

(अ) परिमल

(ब) कुकुरमुत्ता

(स) चिदम्बरा

(द) ढोला

8. बसंत पंचमी को इनमें से किस कवि का जन्म हुआ ?

(अ) प्रसाद

(ब) पंत

(स) निराला

(द) महादेवी

9. 'सरोज स्मृति' किस प्रकार की रचना है ?

(अ) श्रृंगार गीत

(ब) शोक गीत

(स) चारण गीत

(द) इनमें से कोई नहीं

10. पन्त जी की जन्मस्थली कौन-सी है ?

(अ) कौसानी

(ब) अल्मोड़ा

(स) मसूरी

(द) नैनीताल

11. कौन-सी कृति महादेवी वर्मा की नहीं है ?
    (अ) नीरजा
    (ब) दीपशिखा
    (स) ग्राम्या
    (द) सांध्यगीत

12. इनमें से कौन-से कवि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के व्याख्याता के पद पर रहे ?
    (अ) हरिवंशराय बच्चन
    (ब) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध
    (स) मुकुटधर पाण्डेय
    (द) सुमित्रानंदन पंत

13. खड़ी बोली हिन्दी का प्रथम प्रबन्ध काव्य किसे माना जाता है ?
    (अ) पारिजात
    (ब) प्रियप्रवास
    (स) वैदेही वनवास
    (द) रस-कलश

14. जगन्नाथदास रत्नाकर ने इनमें से किस कृति की रचना की है ?
    (अ) गंगावतरण
    (ब) श्रृंगार लहरी
    (स) उद्धव शतक
    (द) उपर्युक्त तीनों

15. छायावाद को यह नाम किसने दिया था ?
    (अ) माधवराव सप्रे
    (ब) मुकुटहार पाण्डेय
    (स) वामनराव लाखे
    (द) इनमें से कोई नहीं

16. 'खादी के फूल' किसकी रचना है ?
    (अ) हरिवंशराय बच्चन
    (ब) मुकुटधर पाण्डेय
    (स) जगन्नाथदास रत्नाकर
    (द) महादेवी वर्मा

17. छायावाद के आधारस्तम्भ कौन से कवि नहीं हैं ?
    (अ) प्रसाद, पन्त
    (ब) निराला, महादेवी
    (स) बच्चन, हरिऔध
    (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

18. 'वहाँ अकेली प्रकृति सुन रही, हँसती सी पहचानी सी' किस कृति से उद्धृत है ?
    (अ) सरोज स्मृति
    (ब) राम की शक्तिपूजा
    (स) साकेत
    (द) कामायनी

19. राष्ट्रकवि किन्हें कहा गया है :
    (अ) जयशंकर प्रसाद
    (ब) मैथिलीशरण गुप्त
    (स) सुमित्रानंदन पंत
    (द) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

20. आधुनिक युग की मीरा किसे कहा जाता है ?
    (अ) महादेवी वर्मा
    (ब) सुभद्राकुमारी चौहान
    (स) मीराबाई
    (द) तीनों को

खण्ड—ब प्रत्येक 2

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'साकेत' का आशय बताइये।
2. निराला ने किस पत्र का सम्पादन किया ?
3. 'कामायनी' किसे कहा गया है ?
4. 'बिहारी सतसई' पर टीका किस कवि ने लिखी है ?
5. हरिऔध ने किन-किन भाषाओं में रचनाएँ की हैं ?
6. बच्चन जी की आत्मकथा कितने भागों में प्रकाशित हुई ?
7. पन्त जी के महाकाव्य का नाम बताइये।
8. महादेवी वर्मा जी की दो कृतियों का शीर्षक बताइये।

खण्ड—स प्रत्येक 3

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं आठ प्रश्नों के (लगभग 75 शब्दों में) उत्तर दीजिए।

1. छायावाद का नाम ऐसा क्यों पड़ा ?
2. 'साकेत' के नवम सर्ग के मुख्य भाव को समझाइए।
3. 'कामायनी' की नायिका पर प्रकाश डालिए।
4. पंत के काव्य में सर्वाधिक चित्रण किसका है, वर्णन कीजिए।
5. 'राम की शक्तिपूजा' का मूल कथ्य किस कथा से लिया गया है ?

6. बच्चन के हालावाद की प्रमुख कविताएँ बताइए।

7. मुकुटधर पाण्डेय का संक्षिप्त जीवन परिचय बताइए।

8. रत्नाकर जी के काव्य शिल्प पर प्रकाश डालिए।

9. महादेवी वर्मा के प्रमुख काव्य संग्रहों पर प्रकाश डालिए।

10. छायावाद में रचित महाकाव्यों का शीर्षक व उनके रचयिताओं का नाम बताइए।

खण्ड—द

प्रत्येक 5

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं चार प्रश्नों के (लगभग 150 शब्दों में) उत्तर दीजिए।

1. 'साकेत' में विरह वर्णन पर निबन्ध लिखिए।

2. 'कामायनी' में निहित दार्शनिक सिद्धान्तों को स्पष्ट कीजिए।

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

3. है अमा-निशा, उगलता गगन घन अंधकार,
खो रहा दिशा का ज्ञान, स्तब्ध है पवन चार,
अप्रतिहत गरज रहा पीछे, अंबुधि विशाल,
भूधर ज्यों ध्यान-मग्न, केवल जलती मशाल॥

4. घिर रहे थे घुँघराले बाल,
अंश अवलम्बित मुख के पास।
नील घन-शावक से सुकुमार,
सुधा भरने को विधु के पास॥

5. दरसो, परसो, घन बरसो,

सरसो जीर्ण-शीर्ण जगती के तुम नवयौवन, बरसो।

घुमड़ उठो आषाढ़ उमड़कर पावन सावन, बरसो।

भाद्र भद्र, आश्विन के चित्रित हस्ति, स्वातिघन बरसो।

सृस्टि दृस्टि के अंजन रंजन, ताप विभंजन बरसो॥